ST.MONTFORT SCHOOL, PATEL NAGAR, BHOPAL

Pariksha pe Charcha

On 27th January in St. Montfort School, Bhopal, discussion was held by Honourable Prime Minister Shri Narendra Modi ji about the growing stress of studies among the students.

The event was organised at Talkatora stadium in Delhi. In which teacher and student of different schools from different states of the country were present. It was broadcast live.

The program started with the Honourable Prime Minister expressing concern over the increasing stress of studies among the students and the future of the children sacrificing the aspirations of their parents. He appealed to the parents not to put the burden of the studies on the students.

After that, the honourable Prime Minister asked questions to the student of various schools to solve their problem which they answered in a very thoughtful and resolved manner. The Prime Minister encouraged all the students to participate in other activities like sports, arts etc. Along with their studies. He explained to the students that the marks obtained in the examination are not everything. Even after one sector fails, routes to the other sectors remains open. Along with this, he told that new techniques must be used, but as per the requirement, he appealed to the students that they must spend at least 10 minutes in their whole day with the elders of their house and listen to their life experience.

This will be more beneficial than any new technology. All the students where highly impressed by the inspiring thoughts of the honourable prime minister. Principal Bro. Monachan KK, the teachers and student of class 8 to 11 were present on the occasion.

Mrs.Saikiran Naidu

माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा परीक्षा पे चर्चा 2023

सेंट मोन्टफोर्ट स्कूल, भोपाल में आज सुबह 11बजे से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा विद्यार्थियों में पढ़ाई के बढ़ते तनाव को लेकर चर्चा की गई। यह कार्यक्रम दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित किया गया। जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से अलग –अलग विद्यालयों के शिक्षक तथा विद्यार्थी उपस्थित थे। इसका सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ माननीय प्रधानमंत्री द्वारा विद्यार्थियों में पढ़ाई के बढ़ते तनाव को लेकर तथा माता – पिता की आकाक्षाओं की बलि चढ़ते बच्चों के भविष्य पर चिंता व्यक्त करते हुए हुआ। उन्होंने अभिभावकों से विद्यार्थियों पर पढ़ाई का बोझ न डालने की अपील की।

तत्पश्चात् माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा विभिन्न विद्यालयों के विद्याथियों द्वारा अपनी समस्या को निराकरण हेतु प्रश्न पूछे जिनका उत्तर उन्होंने बड़े ही सूझ–बूझ व सुलझे हुए ढ़ग से दिया। प्रधानमंत्री जी ने सभी विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई के साथ –साथ अन्य गतिविधियों जैसे खेलकूद , कला आदि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि परीक्षा में प्राप्त अंक ही सब कुछ नहीं होते । एक क्षेत्र के असफल हो जाने के पश्चात् भी अन्य क्षेत्रों में मार्ग खुले रहते है। साथ ही उन्होंने बताया कि नई तकनीकों का प्रयोग अवश्य करे लेकिन आवश्यकतानुसार । उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने पूरे दिन में कम से कम 10 मिनट अपने घर के बुजुर्गो के साथ अवश्य बिताएँ तथा उनके जीवन के अनुभव सुने । ये किसी भी नई तकनीक से अधिक लाभदायक हागा।

माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रेरक विचारों से सभी विद्यार्थी अत्यंत प्रभावित हुए।

इस अवसर पर प्राचार्य ब्रदर मोनाचन के.के, कक्षा आठवीं से ग्यारहवीं तक की शिक्षिकाएँ तथा विद्यार्थी उपस्थित थे।

श्रीमती बीनू चांदोलिया